

17.8.2024 पत्रावली पैसा हुई। वकील वादा उपरिखत नहीं आए
बार-बार भावनें लगवाई गई फिर भी कोई
उपरिखत नहीं आए न ही इनकी मौर से लिखी
में उपरिखति ही अतः वाद प्रकण अहम दायरे
अहम पैशवी में शपथीन लिया जाता है पत्रावली
केवल शुमार देक नगबए से कम हो।

